सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 92 | इंदौर, बुधवार 15 अक्टूबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

नीतीश कुमार सीट बंटवारे से नाराज?

● बिना लिस्ट के ही नामांकन और बैठक पर बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी) बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारा हो चुका है। भाजपा और जेडीयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि चिराग पासवान की लोजपा-रामविलास को 29 सीटें मिल गई हैं। एनडीए के सभी नेताओं को साथ लेकर तस्वीर जारी की गई और ऐलान हुआ कि हम सीट बंटवारे में आगे निकल गए हैं। लेकिन हालात उतने सामान्य नहीं लग रहे हैं। बिहार में 4 विधानसभा चुनाव जेडीयू और भाजपा मिलकर लड़ चुके हैं, लेकिन ऐसा पहली बार है, जब भाजपा की सीटें जेडीयू के बराबर हैं। अब तक जेडीयू को ज्यादा सीटें मिला करती थीं। इसके पीछे भाजपा 2020 के अपने स्ट्राइक रेट को वजह बता रही है, लेकिन जेडीयू में ऑल इज वेल नहीं है।

अब खबर है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ बराबरी वाले सीट बंटवारे से नाराज हैं। इसके अलावा उनकी असहमति लोजपा के खाते में 29 सीटें जाने से भी है, जिसकी ओर से बीते चुनाव में जेडीयू के खिलाफ कैंडिडेट खड़े किए गए थे और नीतीश कुमार की पार्टी को झटका लगा था। इस नाराजगी का पता इससे भी चलता है कि अब तक जेडीयू ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं की है। ललन सिंह, उमेश कुशवाहा और बिजेंद्र यादव जैसे नेता बिना लिस्ट आए ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उमेश कुशवाहा जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष हैं। भरोसेमंद लोगों को जेडीयू की ओर से सिंबल दिया जा रहा है, लेकिन लिस्ट नहीं आई है। हालांकि संजय झा का कहना है कि आज यानी बुधवार दोपहर तक जेडीयू की कैंडिडेट लिस्ट आ जाएगी।

कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार ने कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और ललन सिंह से नाराजगी जाहिर की है। इस बीच भाजपा भी सक्रिय हो गई है और नीतीश कुमार को मनाने की कोशिशें होंगी। खबर है कि उससे पहले भाजपा खुद अपने स्तर पर स्पष्ट होना चाहती है। इसीलिए आज उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली पहुंच रहे हैं और चिराग पासवान पहले से ही मौजूद हैं। इस मीटिंग के बाद अमित शाह खुद गुरुवार को पटना जाएंगे और अगले तीन दिनों तक रहेंगे।

सीएम आज ओरछा में करेंगे श्री रामराजा लोक का भूमिपूजन

332 करोड़ के विकास कार्यों की देंगे सौगात

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को निवाड़ी जिले के ओरछा में श्री रामराजा लोक के द्वितीय चरण के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 257 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत के कार्यों का भूमिपूजन और 74 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत के कार्यों का लोकार्पण और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्री रामराजा सरकार के दर्शन करेंगे और जुझार सिंह महल का भ्रमण कर श्री रामराजा लोक फेस-1 के निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन करेंगे। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्री रामराजा वृद्धाश्रम में भोजन करेंगे।

इन कार्यों का होगा लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्री रामराजा लोक के प्रथम चरण में 103 दुकानों एवं प्लाजा निर्माण, राय प्रवीण महल गार्डन का संरक्षण, विकास एवं इल्यूमिनेशन कार्य, स्टेट प्रोटेक्टेड मोन्यूमेंट लक्ष्मी मंदिर ओरछा में बाउंड्री वाल का निर्माण कार्य, लक्ष्मी मंदिर तता राजा महल का इल्यूमिनेशन तथा कटीला दरवाजा से जहांगीर महल तक पाथ-वे, स्ट्रीट लाइट हेरिटेज पोल कार्य और लक्ष्मी मंदिर एवं जहांगीर मंदिर के लेंडस्केपिंग कार्य का लोकार्पण करेंगे। साथ सांदीपनि विद्यालय स्कूल असाटी, शासकीय उ.मा. विद्यालय गोराखास, चचावली पठाराम मार्ग लंबाई 6 किमी. असाटी देवेन्द्रपुरा मार्ग लंबाई 4.20 किमी, लगी बरिया चिकटा से चौमों मार्ग लंबाई 3.40 किमी, सिमरा जैरौन मुख्य मार्ग से बोडेरा कटरयाना पिरयनवारा खिरक होते हुये मिलावन खिरक तक मार्ग लंबाई 3 किमी, देवेन्द्रपुरा से गिदखिनी मार्ग लंबाई 2.10 किमी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस कंट्रोल रूम, 50 सीटर अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास भवन शक्तिभैरो और उप तहसील (टप्पा) तरीचरकलां जिला निवाड़ी का लोकार्पण होगा। इन सभी कार्यों की लागत 74 करोड़ 90 लाख रूपये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण, पर्यटन, उच्च शिक्षा और पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के 257 करोड़ 95 लाख लागत के 5 कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे।

चूहाकांड में डीन-अधीक्षक दोषी

बिना काम करोड़ों का भुगतान किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एमवाय अस्पताल में चूहे के काटने के बाद दो बच्चों की मौत के मामले में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव को दोषी ठहराया गया है। जांच आयुष्मान भारत के सीईओ डॉ. योगेश भरसट की अध्यक्षता वाली कमेटी ने की थी। इसकी रिपोर्ट 8 अक्टूबर 2025 को हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सबमिट की गई है।

एमवाय अस्पताल में साफ सफाई, पेस्ट एवं रोडेंट कंट्रोल की जिम्मेदारी डीन और अधीक्षक की है। कंपनी के काम के पर्यवेक्षण और भुगतान की जिम्मेदारी भी इन्हीं दोनों की है। डीन और अधीक्षक ने आउटसोर्स कंपनी एजाइल पेस्ट कंट्रोल को किए गए भुगतान के दस्तावेज और

नोटशीट जांच समिति को उपलब्ध ही नहीं कराए। बार-बार रिमाइंडर के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने आउटसोर्स कंपनी को किए गए भुगतान की जानकारी जांच कमेटी से साझा नहीं की। आउटसोर्स कंपनी द्वारा कागजों पर पेस्ट कंट्रोल करने के बाद भी बिना सत्यापन कंपनी को करोड़ों का भुगतान हुआ। डीन और अधीक्षक ने तथ्यों को सही समय पर सही तरीके से नहीं रखा। इंचार्ज सिस्टर ने 7 जनवरी 2025 को NICU (नवजात गहन चिकित्सा इकाई) में चूहों को देखते हुए पेस्ट कंट्रोल के लिए पत्र लिखा था। इसके बाद भी प्रबंधन ने कोई एक्शन क्यों नहीं लिया। आउटसोर्स कंपनी के मैनेजर प्रदीप रघुवंशी के बयान से भी ये बात सामने आई कि पेस्ट कंट्रोल ठीक से नहीं किया गया था। दो बच्चों की मौत के बाद भी अस्पताल के कर्मचारियों ने कंपनी के नुमाइंदों को कई बार फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पहली मौत के बाद एजाइल के कर्मचारी तुरंत एक्शन लेते तो दूसरी घटना को रोका जा सकता था। घटना के बाद वरिष्ठ डॉक्टरों ने समय पर बच्चों का परीक्षण नहीं किया। रेजीडेंट डॉक्टरों ने ही उन्हें देखा। समिति ने अपनी रिपोर्ट में माना कि इस पूरी घटना के बाद प्रबंधन में अस्पताल अधीक्षक और डीन दोनों विफल रहे।

15 मिनट की जंग में तालिबान के सामने PAK सेना का 'सरेंडर'

हथियार भी छीन ले गए

नई दिल्ली, (एजेंसी) तालिबानी लड़ाके और पाकिस्तानी की सेनाओं के बीच एक बार फिर से भीषण जंग हो रही है. दोनों सेनाएं अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित स्पिन बोल्डक में लड़ाई लड़ रही हैं. आज सुबह लगभग 4 बजे स्पिन बोल्डक क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच भारी लड़ाई शुरू हो गई. सोशल मीडिया पर जारी किए गए बॉर्डर में स्पिन बोल्डक-चमन सीमा का क्रॉसिंग दिखाई दे रहा है. स्पिन बोल्डक अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर स्थित है. यह उत्तर में कंधार शहर और दक्षिण में पाकिस्तान

के चमन और क्वेटा शहर से एक राजमार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है. पश्चिमी-चमन सीमा क्रॉसिंग शहर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है. अफ़गान तालिबान का दावा है कि पाकिस्तानी सैनिकों के साथ भिडंत के 15 मिनट के अंदर ही तालिबानियों ने पाकिस्तानियों को सरेंडर के लिए मजबूर कर दिया और उनके हथियार जब्त कर लिए गए.

कलेक्टर शिवम वर्मा ने सुनी आमजनों की समस्याएं

वृद्ध महिला को रेडक्रॉस के माध्यम से राशि दिलायी, पेंशन भी होगी शुरू

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आमजनों की समस्याएं सुनी और अपनी संवेदनशीलता दिखाते हुए उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में अपनी पेंशन प्रकरण को लेकर पहुँची एक वृद्धा की समस्या का समाधान हाथों-हाथ हो गया। कुमेड़ी काकड़ निवासी एक वृद्धा ने बताया कि मुझे पिछले कुछ महीनों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिल रही है। ग्रामीण सचिव ने मेरी पेंशन रोक दी है। कलेक्टर श्री वर्मा ने वृद्धा के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें तुरंत 12 हजार रुपये की राशि दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण सचिव के वेतन कटौती के आदेश भी दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा को पिपल्यापाला निवासी आरती पलवार ने बताया कि पटेल मेडिकल के फर्जी डॉक्टर के गलत इलाज के कारण मेरे पति की मृत्यु हो गई और मेरा जीवन अंधकारमय हो गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने इस प्रकरण को तुरंत संज्ञान में लेते हुए राऊ एसडीएम को निर्देशित किया कि वे इस मामले की जांच कर दोषी डॉक्टर के विरूद्ध कार्रवाई करें। जनसुनवाई में अपनी पेंशन, जीपीएफ आदि समस्याओं को लेकर पहुँचे रिटायर्ड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय अग्रवाल की समस्या को कलेक्टर श्री वर्मा ने ध्यान से सुना और मौके पर ही तुरंत मोबाइल के माध्यम से स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शॉजी जोसफ से संपर्क कर उन्हें निर्देशित किया कि वे सेवानिवृत्त स्वास्थ्य अधिकारी के पेंशन और अन्य भुगतानों संबंधी निराकरण जल्दी करें। जनसुनवाई में आयी केशव नगर एरोड्रम रोड निवासी दिव्यांग छात्रा यासमिन ने बताया कि मैं शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स कॉलेज में बी कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा हूँ।

परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से मुझे अध्ययन में परेशानी आ रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित कर यासमिन को तुरंत लैपटॉप उपलब्ध कराने को कहा। तेजाजी नगर निवासी दिव्यांग राजेश पटेल अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्टर श्री वर्मा से मिले। उन्होंने बताया कि पैरों में तकलीफ होने के वजह से आने-जाने में परेशानी होती है। कलेक्टर श्री वर्मा ने दिव्यांग व्यक्ति की समस्या को गंभीरता सुना और सामाजिक न्याय विभाग से ई-रिक्शा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उच्च शिक्षा की छात्रा भारती जाटव और कुसुम जामोद आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से कॉलेज की फीस नहीं भर पा रही थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने दोनों छात्राओं की तत्काल मदद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदन को दर्ज करें, आवेदकों को समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनें और उनका निराकरण करें। जो समस्याएं मौके पर निराकृत नहीं हो सकती ऐसे प्रकरणों के लिये समयसीमा तय करें। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद, प्लाट आवंटन, भरण-पोषण, बीमारी सहायता आदि के लिये आये। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर रोशन राय, श्री पंवार नवजीवन विजय, रिंकेश वैश्य सहित सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों भी उपस्थित रहे।

दीपावली पर्व पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

बड़ी मात्रा में मावा, मिठाई एवं घी जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। दीपावली पर्व के दृष्टिगत आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके, इस उद्देश्य से आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को प्रभावी कार्रवाई की गई।

विभाग को सूचना प्राप्त हुई थी कि पिपलियाहाना चौराहा, सर्विस रोड पर स्थित बाबा ट्रेवल्स, एक्सप्रेस कार्गो पर बसों में जिले से बाहर से खाद्य सामग्री इंदौर में सप्लाई की जा रही है। प्राप्त सूचना के आधार पर विभाग द्वारा सुबह से ही इस परिसर में उपस्थित होकर जांच की गई तथा पाया कि ग्वालियर से आयी शरद ट्रेवल्स की बस में खाद्य पदार्थ मावा भरा हुआ है, जिसकी मात्रा लगभग 640 किलोग्राम होना पायी गई।

इसी परिसर में एक अन्य वीर ट्रैवल्स की बस जो की अहमदाबाद से इंदौर आई थी, इसमें अलग अलग पॉलीबैग में हलवा एवं मिठाई मात्रा 1800 किलोग्राम लगभग एवं घी के लगभग 68 बॉक्स कुल मात्रा 1000 लीटर लगभग के पाये गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा खाद्य सामग्री के मालिकों की उपस्थिति में घी के कुल 06 नमूने एवं मिठाई के 03 नमूने लिए गए। साथ ही बस से मावे के 2 नमूने लिए गए, 1 घी 1000 लीटर लगभग, मिठाई 1800 किलोग्राम लगभग एवं मावा 638 किलोग्राम लगभग जिसकी कुल कीमत लगभग 12.64 लाख रूपये है, को रिपोर्ट प्राप्ति तक जब्त किया गया। सभी लिए गए नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर कार्यालय में गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये विक्रय स्टॉल का शुभारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों अपने इंदौर प्रवास के दौरान नेहरू पार्क में राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लगाई प्रदर्शनी में इंदौर में नवाचार के तहत गोबर से स्वदेशी दीये बनाने की मशीन का अवलोकन किया था और उन्होंने दीये बनाये जाने के संबंध में जानकारी ली और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के इंदौर के नवाचार की सराहना की थी। इस नवाचार को विस्तारित करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस नवाचार के तहत गोबर से बने दीये के विधिवत बिक्री के लिए स्टॉल का शुभारंभ किया। उन्होंने अभिनव पहल करते हुए स्वयं दीए ख़रीदे और जनसुनवाई में बच्चों सहित अन्य आवेदकों को वितरित भी किये। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारु ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले दिशा-निर्देश अनुसार कलेक्टर शिवम वर्मा ने सेवा पखवाड़े के तहत स्वदेशी से खुशहाली लाने के लिये स्वदेशी अभियान को नई दिशा देते हुए विशेष पहल की। 14 अक्टूबर को कलेक्टर कार्यालय में गाय के गोबर से निर्मित दीये के स्टॉल का शुभारंभ किया। इंदौर नगर निगम क्षेत्र में खाद्य विभाग के 30 जनपोषण केंद्रों की उचित मूल्य दुकानों से गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये विक्रय के लिए रखवाये गये है। जहाँ इस दीपावली त्यौहार पर 2 लाख से अधिक दीये विक्रय किये जायेंगे। विदित है कि इसके लिए नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित रेशम केन्द्र खजुरिया तहसील हातोद स्थित गौशाला में तीन दर्जन से अधिक कर्मचारियों एवं 2 मशीनों से गोबर से प्राकृतिक दीये दिन-रात बनाये जा रहें है।गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये निर्माण से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुसार स्वदेशी अभियान को नई गति मिलेगी। इन दीयों की पैकिंग कर बाजार में भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा स्वयं इस अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को इस कार्य से जोड़ा है।

कार ने युवक को टक्कर मारी इलाज के दौरान युवक की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भंडारी ब्रिज पर सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार कार ने युवक की बाइक को जोरदार टक्कर मारी और मौके से फरार हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त किसी प्रशासनिक अधिकारी का काफिला ब्रिज से गुजर रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमजी रोड पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 10:30 बजे की है। नितेश (30) पुत्र सुरेश यादव निवासी सोमनाथ की चाल अपनी बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नितेश बाइक समेत ब्रिज के फुटपाथ में जा घुसा और गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों और एक ओला कैब ड्राइवर ने तुरंत मदद करते हुए नितेश को एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हादसे के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि काफिले में शामिल एक इनोवा कार ने नितेश की बाइक को टक्कर मारी थी। नितेश सियागंज स्थित एमपीईबी ऑफिस में निजी ड्रायवर के रूप में कार्यरत था। उसके परिवार में एक बहन और एक भाई है।

पुलिस के अधिकारी बाजार में व्यवस्था देखने उतरे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आगामी त्योहार को देखते हुए मंगलवार को पुलिस के अधिकारी बाजार में व्यवस्था देखने उतरे। कई जगह व्यवस्थाओं को दुरुस्त भी कराया। साथ ही बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए प्रभारी कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी आनंद कलादगी ने पुलिस अधिकारियों के साथ राजवाड़ा क्षेत्र का दौरा किया। इसमें बाजार में मार्ग डायवर्शन, पार्किंग व्यवस्था और ट्रैफिक संचालन प्रणाली का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मल्हारगंज थाना टी, छिपा बाखल गली, गोवर्धन टेलर तिराहा, गोराकुंड चौराहा, सुभाष चौक पानी की टंकी, महेश जोशी तिराहा, सुभाष चौक, इमली बाजार चौराहा, मालगंज चौराहा, नरसिंह बाजार चौराहा, जी.सच्चिदानंद तिराहा, पीपली बाजार तिराहा, यशवंत रोड चौराहा, आडा बाजार चौक, मच्छी बाजार चौक, पंढरीनाथ मंदिर चौक, रेशम गली, नंदलालपुरा चौक, संजय सेतु, फ्रूट मार्केट, हेमिल्टन रोड, मृगनयनी चौराहा एवं नगर निगम चौराहा शामिल हैं।

एक नजर

1. राजवाड़ा, सराफा, एम.जी. रोड सहित अन्य बाजार क्षेत्रों में अतिरिक्त ट्रैफिक बल की तैनात किया है।
2. बढ़ती भीड़ को देखते हुए पिक ऑवर्स में टू व्हीलर-फोर व्हीलर की एंट्री आवश्यकता अनुसार प्रतिबंधित रहेगी।
3. वन-वे नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा तथा उल्लंघन करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।
4. ई-रिक्शा एवं भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
5. जिन स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा दुकानों को सड़क तक फैलाया गया था, उनसे सामान पीछे लगाने का अनुरोध किया गया।
6. व्यापारी संगठनों एवं बाजार समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर पार्किंग, पैदल मार्ग एवं भीड़ नियंत्रण पर संयुक्त काम किया जाएगा।
7. पार्किंग स्थलों एवं डायवर्शन मार्गों की जानकारी के लिए अनाउंसमेंट सिस्टम से लगातार जागरूकता की जा रही है। इधर, ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे त्योहारों के दौरान ट्रैफिक नियमों का पालन करें, निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही गाड़ी खड़ी करें और पुलिस के निर्देशों का पालन कर ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग दें।

इंदौर के "मोती' हाथी पर छिड़ा विवाद

65 वर्षीय गजराज को अनंत अंबानी के 'वनतारा' भेजने पर जू प्रबंधन और निगम की आपत्ति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय का चर्चित हाथी 'मोती' एक बार फिर चर्चा में है। 65 वर्षीय यह विशालकाय हाथी जिसने कभी देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को माला पहनाई थी, अब अपने भविष्य को लेकर विवादों में घिर गया है। हाई पावर कमेटी ने हाल ही में आदेश जारी कर मोती को अनंत अंबानी के वाइल्डलाइफ प्रोजेक्ट वनतारा में भेजने का सुझाव दिया है। इस आदेश के बाद इंदौर चिड़ियाघर प्रबंधन और नगर निगम दोनों ने ही आपत्ति दर्ज कराई है।

हाई कमेटी की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 'मोती' को 'वनतारा' सेंटर में स्थानांतरित किया जाए जहां पशु संरक्षण और देखरेख के लिए बेहतर सुविधाएं मौजूद हैं। लेकिन चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि मोती की उम्र और मानसिक स्थिति को देखते हुए इतनी लंबी यात्रा उसके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। जू प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि मोती की मानसिक हालत फिलहाल स्थिर नहीं है। वह उग्रदराज और कभी-कभी आक्रामक भी हो जाता है। ऐसे में उसे वनतारा भेजना उसके लिए जोखिमभरा कदम होगा। इंदौर

में उसे एक सुरक्षित और परिचित माहौल मिला हुआ है, जहां विशेष टीम उसकी लगातार निगरानी करती है। यादव ने बताया कि मोती को ऐसे वातावरण में रखा गया है जहां उसे किसी प्रकार की परेशानी न हो। वह अकेलापन महसूस न करे, इसके लिए उज्जैन से एक मादा हाथी लाने की योजना भी बन रही है। नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव ने भी हाई कमेटी के आदेश पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि मोती अब काफी बूढ़ा हो चुका है और मानसिक रूप से कमजोर भी है। उसे नई जगह भेजना उसके लिए तनावपूर्ण साबित हो सकता है। हमारी प्राथमिकता उसकी सुरक्षा और भलाई है। इसलिए हमने मोती को इंदौर में ही रखने की सिफारिश की है। चिड़ियाघर में रहने वाले मोती को लेकर पहले भी कई बार चर्चा हो चुकी है। उसका व्यवहार कई बार गुस्सैल हो जाता है और वह खुद को या कर्मचारियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुका है। इस कारण चिड़ियाघर की टीम उसकी सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहती है।

कभी इंदिरा गांधी को पहनाई थी 'माला'

मोती सिर्फ एक हाथी नहीं बल्कि इंदौर की विरासत का हिस्सा बन चुका है। 1960 में बिहार के सोनपुर मेले से खरीदे गए मोती को इंदौर लाया गया था। वर्षों तक यह चिड़ियाघर की पहचान बना रहा। इसकी सबसे चर्चित याद उस समय की है जब नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मोती ने अपनी 'सूंड' से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'माला' पहनाई थी। यह दृश्य उस दौर में अखबारों की सुर्खियों में रहा था और आज भी लोग इसे याद करते हैं। वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट लागू होने से पहले मोती को सवारी के लिए भी इस्तेमाल किया जाता था। मोती एक 'मखना' नस्ल का हाथी है जो अपनी समझदारी और सीखने की क्षमता के लिए जाना जाता है। उसके महावतों ने उसे कई कला सिखाई थीं। मोती 'माउथ ऑर्गन' बजाना जानता था और 'राम' बोलने की कोशिश भी करता था। वर्तमान में चिड़ियाघर में मोती को एक एकड़ क्षेत्र में रखा गया है, जहां उसके लिए स्विमिंग पूल और पीने के पानी की विशेष व्यवस्था है।

बिना परमिट और फिटनेस शर्तों का उल्लंघन करने पर 3 बसें जब्त

18 वाहनों से वसूला 65 हजार रुपये जुर्माना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी कड़ी में इंदौर-महू, मानपुर रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई। यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 18 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना परमिट संचालित एक बस और 2 बसें फिटनेस शर्तों का उल्लंघन करते पाई गई, इन्हें जब्त किया गया।

मौके पर ही फिटनेस निरस्त की कार्रवाई की गई। दो बसों की छत पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त थी, जिन पर तिरपाल बांधा गया था और खिड़किया, दरवाजे भी क्षतिग्रस्त थे। जिनसे की हादसा होने की आशंका थी। इनके द्वारा फिटनेस की अन्य शर्तों का भी उल्लंघन किया जा रहा था।

इस कार्यवाही के दौरान अन्य वाहनों से 65000 रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। भंवरकुआ से नवलखा के बीच में पड़ने वाली जानकी नगर कॉलोनी के रहवासी संघ द्वारा कलेक्टर को शिकायत की गई कि उपनगरीय बसें मुख्य मार्ग से जाने की बजाय उनकी कॉलोनी से होकर गुजर रही है, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। कलेक्टर द्वारा कार्यवाही के निर्देश दिए गए, जिसके क्रम में बस संचालकों को मुख्य मार्ग से बस संचालन हेतु निर्देश जारी किए गए। आज मौके पर पहुंचकर जाँच किया गया, किंतु कोई बस वहाँ से नहीं गुजरती हुई नहीं पायी गई एवं रहवासी संघ से चर्चा कर उन्हें अवगत भी कराया गया।

Confidential Investigation & all type of Detective services
Successful Journey
Since 2002...
आँख मूंदकर न तय करें रिश्ता...
सतर्कता एवं सजगता अत्यावश्यक है।
सभी प्रकार की व्यक्तिगत, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक, कानूनी, सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...
सबूत/प्रमाण हेतु... मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...
कब..क्यों..कहाँ..कितना..कैसे...!
DETECTIVE GROUP®
पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in
9111050101
9111050101
7312433667

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान: सीएम बोले-

देश को आत्मनिर्भर बनाने में एमपी निभाएगा अग्रणी भूमिका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अरुण सिंह और प्रदेश अध्यक्ष और विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मंगलवार को भोपाल के अपेक्स बैंक समन्वय भवन में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर नेताओं ने स्वदेशी अपनाने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आजादी के समय भारत का एक रुपया एक डॉलर के बराबर था, लेकिन कांग्रेस सरकारों की नीतियों ने रुपये का अवमूल्यन कर देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विदेशी व्यापार में रुपये में पेट्रोलियम पदार्थों की खरीद कर देश की मुद्रा को सशक्त कर रहे हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। प्रदेश में उद्योगों और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में भारत की समृद्ध व्यापार व्यवस्था को कमजोर करने के लिए अंग्रेजों ने हमारे कारीगरों को तोड़ा, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत फिर से विश्व मंच पर गौरव के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश को सोना गिरवी रखकर काम चलाना पड़ा था, लेकिन आज भारत आत्मविश्वास के साथ अपनी आर्थिक नीति बना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कर व्यवस्था पारदर्शी बनी है और देश में निवेश का वातावरण मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि जब तक देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत नहीं होगा, तब तक विकास गति नहीं पकड़ सकता। कांग्रेस के समय जहां इंफ्रास्ट्रक्चर पर केवल 2.5 लाख करोड़ रुपये खर्च होते थे, वहीं अब प्रधानमंत्री मोदी की सरकार 12 लाख करोड़ रुपये प्रतिवर्ष खर्च कर रही है। अरुण सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के समय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने प्रतिदिन साढ़े छह लाख पीपीई किटों का उत्पादन किया, जबकि पहले देश में इसका निर्माण नहीं होता था। भारत ने न केवल खुद वैक्सीन बनाई, बल्कि 100 से अधिक देशों को भी दी। आज भारत रक्षा उपकरणों, मिसाइलों और विमानों का निर्माता बन चुका है।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी महात्मा गांधी के स्वदेशी के सपने को साकार कर रहे हैं। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और शीघ्र ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाला है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरी है कि हर नागरिक स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे। खंडेलवाल ने कहा कि जब हम सामान खरीदें तो यह जरूर सोचें कि क्या इसे किसी भारतीय ने बनाया है और क्या इससे किसी गरीब का भला होगा। उन्होंने कहा कि जब हम रेहड़ी-पटरी और छोटे उद्योगों से बने सामान खरीदेंगे, तभी भारत सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर बनेगा।

कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, प्रदेश महामंत्री और अभियान संयोजक रणवीर सिंह रावत, सतीश गंगराड़े और डॉ. शैलेश लुणावत भी उपस्थित रहे। नेताओं ने उपस्थित जनता से अपील की कि वे त्यौहारों के अवसर पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदें और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।

करोड़ों का मालिक निकला सहायक प्रबंधक

ईओडब्ल्यू ने कई ठिकानों पर दी दबिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर की टीम ने मंगलवार को कटनी जिले के बसाडी प्राथमिक कृषि साख समिति के सहायक प्रबंधक के घर व अन्य ठिकानों में दबिश दी। दबिश के दौरान सहायक प्रबंधक के पास से तीन करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ। ईओडब्ल्यू ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

ईओडब्ल्यू जबलपुर के अनुसार सुशील कुमार गुप्ता, सहायक प्रबंधक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बसाड़ी तहसील बड़वारा जिला कटनी के आर्थिक अपराध की शिकायत मिल रही थी। ईओडब्ल्यू ने मंगलवार को ग्राम बसाड़ी स्थिति उनके निवास सहित ग्राम बनहेरी स्थित आटा मिल व धान मिल, ऑइल मिल चक्की तथा फार्म हाउस में दबिश दी। ईओडब्ल्यू की टीम को दबिश के दौरान ग्राम बसाड़ी स्थित मकान की इंवेंट्री 11 लाख रुपये की इंवेंट्री, ग्राम बसाड़ी स्थित फार्म हाउस लगभग 30 हजार रुपये की इंवेंट्री, ग्राम बनहरी स्थित राईस व ऑइल मिल में लगभग साढ़े आठ लाख रुपये की इंवेंट्री तथा ग्राम बसाडी स्थित दो करोड 20 लाख रुपये से निर्मित वेयर हाउस मिला। इसके 1 सोनालिका ट्रैक्टर, 1 पिकअप बोलेरो एवं कृषि उपकरण भी मिले। प्रारंभिक जांच में सहायक प्रबंधक के पास से तीन करोड़ रुपये संपत्ति मिली है। दबिश के दौरान संपत्ति व निवेश संबंधित दस्तावेज भी मिले हैं, जिन्हे जब्त कर लिया गया है। दस्तावेज की जांच और आकलन किया जाता है। कार्रवाई के लिए ईओडब्ल्यू की तीन टीमों का गठन किया था और सभी टीमों ने एक साथ अलग-अलग दबिश दी। ईओडब्ल्यू ने आरोपी के खिलाफ आय से अधिक का प्रकरण दर्ज

सीएम के निर्देश के बाद

11 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर

एसडीओपी पूजा पांडेय समेत पांच गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल/सिवनी, एजेंसी। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के हवाला लूट कांड में सीएम मोहन यादव के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएम के निर्देश के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एसडीओपी पूजा पांडे समेत कुल 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर डकैती, गलत तरीके से रोकना, अपहरण और आपराधिक षड्यंत्र रचने के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2), 126(2), 140(3) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर लखनवाड़ा थाने में दर्ज हुई है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। जो भी ऐसा का करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एमपी सरकार नागरिकों की सुरक्षा के लिए और उनके अधिकारों को सुरक्षित रखने की दिशा में काम कर रही है। कानून का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर होने जा रही कार्रवाई मिसाल बनेगी। उन्होंने कहा कि अपराध मुक्त मध्यप्रदेश और नागरिकों की सुरक्षा हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सख्त निर्देशों के बाद इस प्रकरण में एसडीओपी पूजा पांडे समेत पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, छह आरोपी पुलिसकर्मी अब भी फरार हैं जिनकी तलाश में टीमें लगातार छापामारी कर रही हैं। वहीं करीब पांच अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी की गई है। ये सभी बर्तन के कारोबार से जुड़े हुए हैं और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। इनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं जिले के बड़े अफसरों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पुलिस वालों पर आरोप है कि उन्होंने हवाला की रकम में गड़बड़ी (खुर्दबुर्द) की। एसडीओपी पूजा पांडेय को जानकारी मिली थी कि एक कार में करीब 3 करोड़ रुपये ले जाए जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी टीम के साथ रात करीब डेढ़ बजे सीलादेही में नाका लगाया और कार को रोककर उसमें रखी रकम पुलिस की गाड़ियों में रख ली।इस कार्रवाई के खिलाफ कारोबारी सोहन परमार और उनके साथियों ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। आरोपी पुलिसकर्मियों ने कारोबारियों से हवाला की रकम आपस में बांटने की बात कही थी।

कोदो और कुटकी के रेट तय, राज्य के पेंशनर्स को मिली बड़ी सौगात, सोयाबीन के लिए भावांतर को मंजूरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश की मोहन यादव कैबिनेट ने पेंशनरों के लिए महंगाई राहत बढ़ाने, किसानों को सोयाबीन पर भावांतर योजना का लाभ देने और कोदो-कुटकी के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इस कैबिनेट बैठक में 4.5 लाख से अधिक पेंशनरों को राहत देते हुए उनकी महंगाई राहत को 53% से बढ़ाकर 55% कर दिया गया है, जिसका लाभ 1 सितंबर 2025 से मिलेगा। साथ ही, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सोयाबीन पर भावांतर योजना को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत सरकार किसानों को एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच के अंतर का भुगतान करेगी।

कोदो और कुटकी के लिए भी नए रेट तय

किए गए हैं और इनके विपणन व मूल्य संवर्धन के लिए 'श्री अन्न फेडरेशन' का गठन किया जाएगा। इन फैसलों से सरकारी खजाने पर इस वित्तीय वर्ष में करीब 170 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आएगा। कैबिनेट बैठक में राज्य के 4.50 लाख से अधिक पेंशनरों और परिवार पेंशनरों को बड़ी खुशखबरी मिली है। छठे और सातवें वेतनमान के तहत पेंशन पाने वाले पेंशनरों की महंगाई राहत राशि में वृद्धि को मंजूरी दी गई है। सातवें वेतनमान के तहत पेंशन पाने वाले पेंशनरों को अब 53% की जगह 55% महंगाई राहत मिलेगी। वहीं, छठे वेतनमान के तहत पेंशन पाने वाले पेंशनरों की पेंशन अब 246% हो जाएगी। यह बढ़ी हुई राहत 1 सितंबर 2025 से लागू होगी। दरअसल, जनवरी 2025 में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2% की बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन पेंशनरों की महंगाई राहत में यह वृद्धि तब नहीं हो पाई थी। अब उसी बढ़ोतरी को पेंशनरों के लिए भी लागू कर दिया गया है। हालांकि, पिछले आठ महीनों के एरियर (बकाया राशि) को लेकर सरकार की ओर से कोई स्पष्टता नहीं आई है, जिससे पेंशनर थोड़े चिंतित हैं कि उन्हें यह राशि शायद न मिले। इस पेंशन वृद्धि से इस वित्तीय वर्ष में सरकारी खजाने पर लगभग 170 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

थाने के मालखाने में रखे 55 लाख नकद-10 लाख के गहने पुलिसवाला ही जुए में हारा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाने के मालखाने में रखे 55 लाख रुपए नकद और करीब 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। जांच में पता चला है कि मालखाना इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे ने यह रकम जुए में उड़ा दी। खुलासा तब हुआ जब फरियादी कोर्ट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अपने रुपए और गहने लेने थाने पहुंचा। टीआई ने जब प्रधान आरक्षक को पैसे लाने को कहा, तो वह घबराकर मालखाने का गेट अंदर से बंद कर लिया और पंखे से फांसी लगाने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने समय रहते दरवाजा तोड़कर उसकी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस ने कुछ माह पहले ठगी के एक मामले में आरोपियों से 55 लाख रुपए नकद और गहने जब्त किए थे। ये सभी मालखाने में जमा रखे गए थे। फरियादी महिला ने कोर्ट से आदेश लेकर जब थाने में अपने रुपए लेने की प्रक्रिया शुरू की, तभी यह बड़ा खुलासा हुआ।

संपादकीय

भारत ने ताकत के मामले में चीन की वायुसेना को पीछे छोड़ा

दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायुसेना के मामले में अमेरिका का दबदबा है। वहीं, रूस दूसरे नंबर पर है। गर्व की बात यह है कि भारत ने ताकत के मामले में चीन की वायुसेना को पीछे छोड़ दिया है। दुनिया की वायुसेनाओं पर नजर रखने वाली संस्था WDMMA ने यह आकलन किया है। उसने 2025 की रैंकिंग जारी की है, जिसमें अमेरिका, रूस के बाद भारत की वायुसेना को सबसे ताकतवर बताया गया है। वहीं, चीन इस मामले में चौथे नंबर पर है। पाकिस्तान तो इस लिस्ट में टॉप 10 में भी नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन संकट और मध्य पूर्व जैसे क्षेत्रों में बढ़ते तनाव जैसे मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों के कारण वैश्विक सैन्य व्यय 2023 में 2.44 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। SIPRI की रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले वर्ष की तुलना में 6.8% की वृद्धि दर्शाता है। ऐसे में पूरी दुनिया में वायु सैन्य क्षमताओं में उल्लेखनीय प्रगति और रणनीतिक विकास हो रहा है। दुनिया भर के देश रणनीतिक लाभ बनाए रखने और खुद को अग्रणी वायु सेना के रूप में स्थापित करने के लिए अपनी हवाई क्षमताओं को लगातार उन्नत कर रहे हैं। वायु शक्ति लंबे समय से वैश्विक प्रभुत्व में एक निर्णायक कारक रही है, जो 20वीं सदी के आरंभ से युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है तथा विश्व भर में सशस्त्र बलों के लिए एक आवश्यक परिसंपत्ति साबित हो रही है। ग्लोबल फायर पावर, 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका की हवाई शक्ति अद्वितीय है, जो रूस, चीन, भारत, दक्षिण कोरिया और जापान की संयुक्त हवाई क्षमताओं से भी आगे है, क्योंकि वैश्विक सैन्य खर्च का लगभग 40% हिस्सा उसी के पास है। ग्लोबल फायर पावर इंडेक्स में हवाई बेड़े के मामले में अमेरिका के बाद रूस दूसरे स्थान पर है, जिसके पास अमेरिका की हवाई क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। वहीं हवाई बेड़े के मामले में चीन तीसरे नंबर पर है, जो तकनीकी में महत्वपूर्ण निवेश के माध्यम से अपनी क्षमताओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। WDMMA अपनी सालाना रैंकिंग में दुनिया की विभिन्न वायु सेनाओं की कुल लड़ाकू शक्ति से संबंधित मूल्यों को ध्यान में रखता है। यह सूत्र 'TruVal Rating' (TVR) पैदा करता है जो हर ताकत को न केवल समग्र शक्ति के आधार पर, बल्कि आधुनिकीकरण, सैन्य सहायता, आक्रमण और रक्षा क्षमताओं आदि के आधार पर भी स्पष्ट रूप से अलग करने में मदद करता है। ऐसे में किसी शक्ति का मूल्यांकन केवल उसके विमानों की कुल संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और इन्वेंट्री के सामान्य मिश्रण के आधार पर किया जाता है। वर्तमान WDMMA की सूची में 103 देशों पर नजर रखी गई है। इनमें 129 हवाई सेवाएं शामिल हैं (इसमें सेना, नौसेना और मरीन शाखाएं शामिल हैं)। इस सर्वे में कुल 48,082 विमान शामिल हैं।

OSHO कहिन

"साधारण चीजों में खुशी ढूंढना ही सच्ची कला है।"

ज्ञान-विज्ञान

चंद्रमा को खतरा, तेजी से बढ़ रहा क्षुद्रग्रह, 2032 में टकराने की आशंका

क्या परमाणु बम से करना चाहिए हमला

नासा के कई वैज्ञानिकों सहित एक दर्जन से ज्यादा शोधकर्ताओं ने एक शोध पत्र में विश्लेषण किया है। इसमें बताया गया है एक छुद्रग्रह 2032 में चंद्रमा से टकरा सकता है। उनका कहना है कि 2024 YR4 नामक एक क्षुद्रग्रह के 2032 में चंद्रमा से टकराने की 4% संभावना होने का अनुमान है। ऐसे में सवाल है कि इस घटना पर मानवता को कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। क्या उस क्षुद्रग्रह को टकराने से पहले ही रास्ते से हटाने की कोशिश करनी चाहिए। क्या उसे परमाणु हमला कर नष्ट कर देना चाहिए।

● क्षुद्रग्रह के चंद्रमा से टकराने से क्या होगा

शोधकर्ताओं ने इस शोध पत्र में लिखा है कि इस तरह की टक्कर से चंद्रमा की सतह से 1,000 गुना तक ऊंचा मलबा उत्पन्न हो सकता है, जो पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष यान के लिए खतरा बन सकता है।' यह शोध पत्र 15 सितंबर को प्रीप्रिंट वेबसाइट arXiv पर अपलोड किया गया था, लेकिन अभी तक इसकी समीक्षा नहीं हुई है।

● क्षुद्रग्रह पर परमाणु बम गिराना क्यों खतरनाक

शोधपत्र के अनुसार, उस संभावित खतरनाक मलबे के क्षेत्र को बनने से रोकने के लिए, एक विकल्प यह है कि क्षुद्रग्रह पर परमाणु बम गिराया जाए—या वैज्ञानिकों के अनुसार, चंद्रमा तक पहुंचने से पहले ही उसके रास्ते को बदलने का प्रयास किया जाना चाहिए। लेकिन किसी क्षुद्रग्रह को नष्ट करने के लिए परमाणु विस्फोट का उपयोग करने का कभी परीक्षण नहीं किया गया है, इसलिए इस योजना के साथ कई बड़े जोखिम जुड़े होंगे।

● जानें वैज्ञानिकों की क्या है राय

फ्लोरिडा स्पेस इंस्टीट्यूट की अंतरिम डायरेक्टर जूली ब्रिसेट ने कहा कि क्षुद्रग्रह 2024 YR4 की कई प्रमुख विशेषताएं ज्ञात नहीं हैं, जिनमें इसका द्रव्यमान भी शामिल है, जो यह पता लगाने में महत्वपूर्ण होगा कि इसे और समस्याएं पैदा किए बिना ठीक से 'बाधित' कैसे किया जाए। उन्होंने आगे कहा, 'अगर विस्फोट पर्याप्त नहीं है, तो आप वैसे भी एक मलबे का क्षेत्र बना देंगे।' इससे भविष्य में और कई खतरे पैदा होंगे। सबसे बड़ा खतरा हमारे उपग्रहों को होगा।

● क्या पृथ्वी से टकरा सकता है क्षुद्रग्रह 2024 YR4

क्षुद्रग्रह 2024 YR4 का पहली बार दिसंबर में चिली स्थित क्षुद्रग्रह स्थलीय-प्रभाव अंतिम चेतावनी प्रणाली स्टेशन द्वारा पता लगाया गया था। नासा का अनुमान है कि इसका व्यास 220 फीट तक है, जो इतना बड़ा है कि इसे 'शहरों का विनाशक' माना जा सकता है क्योंकि यह पृथ्वी पर किसी शहर या क्षेत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। शुरुआत में विशेषज्ञों का मानना था कि इस क्षुद्रग्रह के हमारे ग्रह से टकराने की संभावना बहुत कम है, और इस साल की शुरुआत में इस तरह के प्रभाव की संभावना 3% तक आंकी गई थी। लेकिन बाद में पृथ्वी से टकराव की संभावना को खारिज कर दिया गया।

● क्षुद्रग्रह 2024 YR4 के चंद्रमा से टकराने की कितनी संभावना

अब जब पृथ्वी को सुरक्षित माना जा रहा है, तो क्षुद्रग्रह 2024 YR4 के चंद्रमा से टकराने की अनुमानित 4.3% संभावना है। हाल ही में प्रकाशित शोधपत्र के लेखकों ने क्षुद्रग्रह की टोह लेने के लिए एक मिशन शुरू करने का सुझाव दिया है, जिसमें पास से उसके द्रव्यमान का अनुमान लगाना भी शामिल है। इसके बाद, उन्होंने सुझाव दिया कि एक विस्फोटक उपकरण बनाया जा सकता है, जिसे अंतरिक्ष चट्टान पर तैनात किया जा सकता है।

Rajasthan

राजस्थान में चलती बस में लगी भीषण आग: 20 से अधिक यात्रियों की मौत, कई झुलसे, पीएम मोदी ने की मुआवजे की घोषणा

जैसलमेर, (एजेंसी) राजस्थान के जैसलमेर जिले में मंगलवार दोपहर एक चलती एसी बस में लगी भीषण आग ने भयावह रूप ले लिया। हादसे में अब तक 20 से अधिक यात्रियों की मौत हो गई है। कई लोग बस में ही जिंदा जल गए, जबकि कुछ ने खिड़कियां तोड़कर किसी तरह जान बचाई। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद बस का फाटक ही लॉक हो गया था, जिससे लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। हादसे के बाद 19 गंभीर रूप से झुलसे यात्रियों को जोधपुर रेफर किया गया था, जिनमें से अधिकांश की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। चार घायलों का इलाज जैसलमेर में जारी है और उनकी स्थिति

फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

स्थानीय पत्रकार राजेंद्र सिंह चौहान भी इस हादसे में जान गंवाने वालों में शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बस जैसलमेर से जोधपुर की ओर जा रही थी, तभी रास्ते में अचानक एसी यूनिट में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल टीमों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल मौतों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। घटना के बाद मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रस्तावित बिहार दौरा रद्द कर दिया है और राहत-बचाव की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सीएमओ ने बताया कि जोधपुर लाए गए ज्यादातर 70 प्रतिशत से अधिक बर्न के मामले हैं। इनमें से अधिकांश की स्थिति अतिगंभीर थी। सीएमओ की तरफ गैर आधिकारिक रूप से यहां भी कई मौतों की बात कही गई है।

New Delhi

हवा में जहर बढ़ा: ग्रेप की बंदिशें 2024 की तुलना में एक दिन पहले की गईं लागू, दिल्ली सरकार ने उठाए सख्त कदम

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली-एनसीआर में पिछले साल के मुकाबले इस साल एक दिन पहले मंगलवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के पहले चरण की पाबंदियां लागू कर दीं गई हैं। एक्यूआई 200 के पार जाने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने यह फैसला लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रदूषण ने दिल्ली की हवा खराब की है।

केंद्रीय नियंत्रण प्रदूषण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राजधानी के आनंद विहार समेत अन्य दूसरे इलाकों में एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। पर्यावरण विशेषज्ञों का दावा है कि दीपावली के बाद हवा की हालत ज्यादा खराब हो सकती है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप दो की पाबंदियां जल्द लागू होने के आसार हैं। 2015 से लेकर 2024 तक के आंकड़े बताते हैं कि हर साल दिवाली और उससे अगले दिन प्रदूषण के स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। ग्रेप के पहले चरण की पाबंदियां दिल्ली एनसीआर में लागू हो गई हैं, लेकिन इनमें से उम्रदराज वाहनों पर रोक सुनिश्चित करने की मुहिम को हटा लिया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से जारी आदेश में इस बाबत कुछ नहीं कहा गया है। 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को उम्र के आधार पर हटाने का मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

Uttarpradesh

'पति को ठिकाने लगाओ, वरना जहर खा लूंगी...' प्रेमी से 12 साल बड़ी प्रेमिका कर बैठी ऐसी जिद, फिर रची साजिश

मुरादाबाद, (एजेंसी) मुरादाबाद के बिलारी थाना इलाके के आलेहदादपुर देवा नगला गांव में सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां वीरपाल नाम के किसान की हत्या कर दी गई थी. इस मामले की जांच में सामने आया है कि मृतक की पत्नी सुनीता ने अपने प्रेमी अंशु के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी. पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पूरी कहानी का खुलासा कर दिया है. आरोपी महिला के पांच बच्चे हैं. वह अपने प्रेमी से 12 साल बड़ी है. पूछताछ में सुनीता ने कबूल किया कि उसके और अंशु के खेत आस-पास हैं. करीब चार महीने पहले धान की रोपाई के दौरान अंशु उसके खेत पर आया था, तभी दोनों में नजदीकियां बढ़ीं और संबंध बन गए. सुनीता के मुताबिक, वह अक्सर अपने पति वीरपाल को शराब पिलाकर खेत पर भेज देती थी, उसी समय प्रेमी अंशु को घर बुलाती थी. कुछ दिन पहले वीरपाल ने दोनों को घर में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था. इस पर उसने सुनीता की पिटाई की, जिससे वह नाराज हो गई. इसके बाद सुनीता ने अंशु से कहा कि अगर उसने उसके पति को रास्ते से नहीं हटाया तो वह जहर खाकर जान दे देगी.

Uttarpradesh

जोरदार धमाके के साथ उड़ी घर की छत, 12 लोग गंभीर रूप से घायल

सुल्तानपुर, (एजेंसी) कोतवाली से महज 500 मीटर दूर बगियागांव चौराहे के पास स्थित मियागंज बाजार में बुधवार तड़के हुए जोरदार धमाके से क्षेत्र में दहशत फैल गई। यह धमाका स्थानीय निवासी नजीर के घर में हुआ, जिसमें 12 से अधिक लोग घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 4:40 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। देखा गया कि नजीर के घर की छत उड़ गई है और अंदर से बार-बार छोटे धमाके हो रहे हैं। सूचना पर पहुंची 108 और 102 की चार एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। नजीर के बेटे यासीन ने बताया कि उनके

पिता नजीर (65), मां जमातुल निशा (62), नूर मोहम्मद (25), सुहैल (17), सदा (12), खुशी (15), सहाना (20) और पड़ोसी अब्दुल हमीद के परिवार के फैजान (8) व कैफ (22) सहित कुछ अन्य लोग घायल हुए। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पड़ोसी अब्दुल हमीद के मकान को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

खेल

बारिश की भेंट चढ़ा श्रीलंका-न्यूजीलैंड के बीच महिला विश्व कप का मैच, दोनों टीमों में बटे 1-1 अंक

कोलंबो, (एजेंसी) श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच महिला वनडे विश्व कप का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया है। कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया और 50 ओवर में छह विकेट पर 258 रन बनाए। न्यूजीलैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश शुरू हो गई। बीच में बारिश रुकी और मैदान से कवर्स हटने भी शुरू हो गए थे। लग रहा था कि ओवरों में कटौती कर मैच शुरू होगा, लेकिन फिर बारिश तेज हो गई और अंततः मैच बेनतीजा समाप्त हुआ।

अंक तालिका का हाल

मैच बेनतीजा रहने से श्रीलंका और न्यूजीलैंड को अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। यह इस विश्व कप में दूसरी बार है जब श्रीलंका को बारिश के कारण अंक बांटना पड़ा है। न्यूजीलैंड की टीम के चार मैचों में एक जीत, दो हार और एक बेनतीजा से तीन अंक हैं और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। वहीं, श्रीलंका के चार मैचों में दो हार और दो मुकाबला बेनतीजा रहने से दो अंक हैं और वह तालिका में सातवें नंबर पर मौजूद है। दिलचस्प बात यह है कि श्रीलंका अब तक जीत का खाता नहीं खोल सकी है, लेकिन उसके दो अंक हैं।

श्रीलंका की पारी

इससे पहले, श्रीलंका के लिए कप्तान चामरी अटापट्टू (53 रन) और निलाक्षिका सिल्वा (नाबाद 55 रन) ने अर्धशतक लगाए। इन दोनों के अलावा हसिनी परेरा ने 44 और विष्मी गुणरत्ने ने 42 रन का योगदान दिया। अटापट्टू ने अपनी 72 गेंद की धैर्य से खेली गई पारी के दौरान सात चौके लगाए तो वहीं दूसरी ओर निलाक्षिका ने टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ते हुए 28 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। युवा बल्लेबाज विष्मी गुणरत्ने के साथ मिलकर अटापट्टू ने 101 रन की साझेदारी करके एक मजबूत नींव रखी। न्यूजीलैंड के लिए सोफी डिवाइन ने तीन, जबकि ब्री इलिंग ने दो विकेट झटके। रोजमैरी मेयर को एक विकेट मिला।

सिनेमा

पिता ने सुष्मिता के नाम कर दी थी सारी दौलत, तब मिली बच्ची गोद लेने की परमिशन

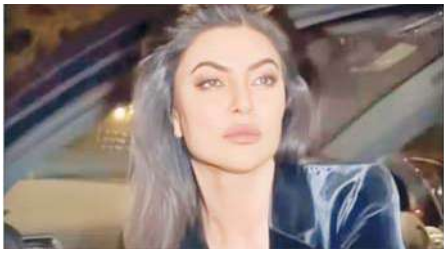

पूर्व मिस यूनिवर्स और एक्ट्रेस सुष्मिता सेन उन सेलेब्स में हैं, जो हमेशा कम शब्दों में बड़ी बात कह जाती हैं. उन्होंने हमेशा वही किया, जो उनके दिल ने कहा. हाल ही में उन्होंने बड़ी बेटी रेनी को गोद लेने की लंबी प्रक्रिया के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि किस तरह अदालत में लंबी लड़ाई के बाद वो रेनी को गोद ले पाईं. सुष्मिता सेन ने बताया कि रेनी को गोद लेने की कानूनी लड़ाई तब शुरू हुई, जब वो 21 साल की थीं और ये 24 साल की उम्र तक चली. डॉ. शीन गुरीब के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान उन्होंने कहा- जब मैं 21 साल की हुई, तो मुझे पता था कि मुझे यही करना है. उस समय से लेकर 24 साल की उम्र तक कानूनी लड़ाई चली. उस दौरान मेरी बेटी मेरे पास फोस्टर केयर में थी, लेकिन हमेशा यही डर रहता था कि अगर फैमिली कोर्ट ने मेरे पक्ष में फैसला नहीं दिया, तो वो बच्ची को वापस ले लेंगे. अब ये बच्ची मुझे 'मां' कहने लगी थी. मैंने पहले से एक प्लान बना रखा था. मैंने अपने पापा से कहा कि सुनवाई के दिन बस कार चालू रखना, अगर कुछ गलत हुआ तो आप रेनी को लेकर सीधे निकल जाना.

Highlights

1. Google CEO Pichai briefs PM Modi about record ₹1.33 lakh cr AI hub in India
2. Woman murders husband after keeping Karwa Chauth fast in UP
3. Murdered man was to get money from MLA for video against Vinutha
4. Top Maoist leader surrenders with 60 cadres in Maharashtra
5. They are poisoning minds: Kharge on RSS ban in K'taka govt spaces
6. Tejasvi Surya alleges discrepancies in Namma Metro fare hike
7. Congress questions Modi-Trump friendship as Trump praises Munir

EPFO Rules 2025: What's changed for your own provident fund, overnight

NEW DELHI, (Agency). The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) has rolled out its biggest reform in years to pushback against new withdrawal limits and requirement for a minimum balance.

The EPFO board has approved a proposal that allows members to withdraw up to 100% of their "eligible balance" for specific needs, while mandating that at least 25% of the corpus remains untouched in the EPF account. The final settlement period for members seeking to withdraw their entire PF corpus post-job loss has been extended to 12 months, from two earlier. For the pension fund under EPS, the waiting period is now 36 months.

The idea behind EPFO's new rules is to make the provident-fund access more flexible, streamline digital operations, and discourage premature withdrawals that could erode retirement savings.

Against that backdrop, here's a detailed explainer of what's changed for more than 7 crore EPF subscribers—and what it means for your retirement savings.

PF Withdrawal Limits

What's new: Members can now withdraw up to 100% of their "eligible balance"—employee + employer contributions—for certain purposes.

However, a minimum balance of 25% of the EPF corpus must remain in the account at all times. In practice, this means you can withdraw up to 75% of the total balance. The 25% "floor" is intended to preserve a baseline retirement corpus that will continue earning interest.

What's old: Under the older regime, withdrawals were segmented by purpose (education, housing, marriage, illness) with different eligibility norms and ceilings. The number of permissible partial withdrawals was also low and tied to each purpose.

Key takeaways for EPF subscribers

1. Greater flexibility, but with safeguards: Members can access more of their savings, but a 25% floor ensures long-term corpus safety.

2. Longer waiting period for full withdrawals: The 12-month (EPF) and 36-month (EPS) rules discourage premature liquidation and help maintain retirement discipline.

3. Simplified categories, fewer documents: The consolidation of 13 types of withdrawals into three reduces red tape and speeds up processing.

4. Digital-first approach: From "Passbook Lite" to Aadhaar-based transfers and face authentication, EPFO 3.0 focuses on self-service and automation.

5. Employer approval no longer needed: PF transfers will now happen automatically when you switch jobs, provided UAN and Aadhaar are linked.

6.Fasterclaimsettlements: The increased ₹5-lakh auto-settlement threshold means faster processing for most small withdrawals.

7. Aadhaar linkage is key: Many of the new digital features, including automatic transfers and profile updates, require Aadhaar-linked UANs.

Why these EPFO rule changes?

The idea is to balance "ease of access" with "financial prudence".

"Members will have quicker access to their funds when genuinely needed, but safeguards will ensure long-term savings aren't depleted," an EPFO official told The Economic Times during the board announcement.

The government also intends to reduce litigation and grievances through simplification and digital verification—part of the broader EPFO Vishwas Scheme launched to settle long-pending disputes and unclaimed accounts, according to the PIB.

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला के पुतले के गले में डाली नरमुंड की माला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। छिंदवाड़ा और बैतूल में कफ सिरप पीने से 23 बच्चों की मौत के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस के कुछ नेताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला को नरभक्षी बताते हुए उनकी इस्तीफे की मांग की। साथ ही उनके पुतले पर नरमुंड की माला भी पहना दी। यह प्रदर्शन इंदौर के रीगल चौराहे पर किया गया। हालांकि इस प्रदर्शन में गिनती के तीन कांग्रेस नेता ही थे।

कार्यवाहक अध्यक्ष जिला कांग्रेस सेवादल इंदौर विवेक खंडेलवाल ने बताया कि रीगल चौराहे पर ये प्रदर्शन किया गया है। कफ सिरप पीने से 25 मासूम बच्चों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्री को इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। मगर यह सरकार अमानवीय भी हो चुकी है। सरकार में संवेदनाएं भी मर चुकी हैं। इतनी बड़ी घटना के बाद भी मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। इसलिए आज प्रदर्शन किया गया। जिसमें नरमुंडों की माला पहनाकर सांकेतिक रूप से बताया है कि लाशों पर राजनीति करने वाली बीजेपी सरकार है और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

डॉक्टर की कार से बैग उड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एमआईजी इलाके में एक डॉक्टर की कार से बदमाशों ने बैग उड़ा दिया। बैग में लैपटॉप और अन्य डॉक्यूमेंट रखे हुए थे। वहीं, श्रीनगर में रहने वाले निजी कंपनी कर्मचारी के साथ भी वारदात हो गई। पुलिस ने 13 दिन बाद FIR दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर मनीष जैन निवासी स्कीम नंबर 74 ने बताया कि शिकायत पर सोमवार को अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है। मनीष जैन ने बताया कि एसएनएस अस्पताल चंद्रलोक कॉलोनी से अपने घर के लिए निकले थे। एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के यहां उन्होंने कार पार्क की थी। इसके बाद शोरूम के अंदर चले गया। जब वापस आया तो कार के अंदर बैग नहीं था। इसमें लैपटॉप,केश 57 हजार रुपए और 5 डेबिट कार्ड तीन बैंकों की पासबुक और आफिस व घर की चाबी के अलावा आधार कार्ड रखे हुए थे। इसके बाद आसपास काफी देर तक बैग ढूंढा वहीं मामले में थाने जाकर FIR की है।

केमिकल फैक्ट्री में आग, रॉ मटेरियल जलकर खाक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सांवेर रोड इंडस्ट्रियल इलाके में सोमवार देर रात कलर बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई। इस बीच जोरदार धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं। सूचना मिलने पर लक्ष्मीबाई नगर और सांवेर रोड इलाके से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया।

अब भी फैक्ट्री के कुछ हिस्सों से धुआं निकल रहा है। फायर ब्रिगेड के अनुसार, रात करीब 3 बजे एमपीडी नामक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। यह फैक्ट्री कलर बनाने का काम करती है, जिसमें अलग-अलग तरह के केमिकल्स का उपयोग होता है। इन्हीं केमिकल्स के कारण अंदर रखे ड्रमों में बार-बार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। शुरुआत में केमिकल की वजह से आग ने भीषण रूप ले लिया था, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रात में नगर निगम की ओर से जेसीबी मशीन भी मंगाई गई और आसपास की दीवारों को तोड़कर अंदर पानी डाला गया। नगर निगम फाइटर वाहनों के साथ-साथ देपालपुर, बेटमा, महू, पीथमपुर और सांवेर से भी दमकल वाहन बुलाए गए। अब तक 100 पानी के टैंकर आग बुझाने में लगे। एसआई बीएस हुड़ा ने बताया कि इस फैक्ट्री में ऑयल पेंट बनता था। आग पर करीब 13 गाड़ियों ने सुबह 4.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक